पंचायती राज संस्थाएं एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर भी ध्यान दें- राज्यपाल

09.10.2017

चंडीगढ़, 9 अक्टूबर- हरियाणा के राज्यपाल प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा है कि पंचायती राज संस्थाएं एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए भौतिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण परिवेश का मानसिक दृष्टिकोण विस्तृत करने की ओर भी ध्यान दें। तभी हम गौरवशाली हरियाणा को देश का सर्वश्रेष्ठ अंग बना सकते हैं।

राज्यपाल भिवानी के भीम खेल परिसर में हरियाणा स्वर्ण जयंती समारोह के तीसरे व अंतिम दिन मुख्य अतिथि के तौर पर सभी जिलों से आए पंच-सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों व जिला पार्षदों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आह्वान किया कि हिंसा, अस्पृश्यता, जातिवाद, संप्रदायवाद, अस्वच्छता, निरक्षरता, असमान लिंगानुपात इत्यादि बुराइयों से ग्रामीण समाज को मुक्त कर हम सभी एक सुंदर ग्रामीण भारत के निर्माण में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि देश में सक्षम और शिक्षित पंचायतें गठित कर एवं पंचायत एवं विकास मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़ ने जो मिसाल कायम की है, वह अपने-आप में एक अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि आज हरियाणा की सभी पंचायतें शिक्षित हैं और आधुनिक सुविधाओं से संपन्नता की ओर अग्रसर हंै। सरकार बिजली, सडक़ और पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के अतिरिक्त गांव-गांव में सचिवालय का निर्माण करवाने तथा इंटरनेट सेवाएं मुहैया करवाने जा रही है। प्रदेश का प्रत्येक गांव स्मार्ट गांव बनेगा तो हरियाणा की गिनती देश के 29 राज्यों में सबसे अगली पंक्ति में होगी। उन्होंने इस दिशा में पंचायत एवं विकास मंत्री द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने गांव के विकास के लिए एक अमूल्य सूत्र दिया था। उनका मानना था कि गांव में बसने वाले हर एक व्यक्ति की यह सोच होनी चाहिए कि यह गांव मेरा है, यह देश मेरा है। गांव में भौतिक विकास होना तो आसान है, किंतु जब तक गांव में बसने वाले लोगों का चिंतन व्यापक दृष्टिकोण वाला नहीं होगा, तब तक उसे संपूर्ण विकास नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि हरियाणा अब स्वच्छता तथा कैरोसिन मुक्त होने के मामले में नम्बर एक पर है। उज्जवला योजना के तहत राज्य में तीन लाख गैस कनेक्शन दिए गए हैं। इसी प्रकार, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किए जाने के बाद प्रदेश में लिंगानुपात की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2019 तक एक हजार लडक़ों के पीछे कम से कम 950 लड़कियां हों।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले साल एक नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुग्राम में स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारम्भ किया था। राज्य के प्रत्येक जिले में स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में हमारा लक्ष्य अखंड भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाने का है। इस लक्ष्य को तभी पूरा किया जा सकता है, जब हमारे गांव आधुनिक व व्यापक दृष्टिकोण के साथ विकास के नए आयाम स्थापित करेंगे। उन्होंने उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि महिला जन प्रतिनिधि के स्थान पर उनके पति, पुत्र या ससुर जिम्मेदारी ना निभाएं। महिलाओं को भी आगे बढऩे का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह हर्ष की बात है कि पंचायत प्रतिनिधियों में 43 प्रतिशत महिलाएं चुनी गई हैं और महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है।

आज के समारोह में राज्यपाल ने उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों को 'संकल्प से सिद्धि' के लिए नए भारत के निर्माण की शपथ दिलवाई।

पंचायती राज विभाग के निदेशक अशोक कुमार मीणा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज हरियाणा की पंचायतें शिक्षित हंै, अपराध मुक्त हंै और ऋण मुक्त हैं। ये पहली ऐसी पंचायतें हैं, जिनके प्रतिनिधियों की औसत आयु 34 साल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास कार्यों के लिए सभी सरपंचों को 20 लाख रुपए तक के काम करवाने के अधिकार दिए हैं। पंचायत समितियों को विकास योजनाओं के लिए दो-दो करोड़ तथा प्रत्येक जिला परिषद को दस करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल ने ड्रॉ निकाल कर विजेता पंचायत प्रतिनिधि को मोटरसाइकिल की चाबी भेंट की।

इस मौके पर भिवानी के विधायक श्री घनश्याम दास सर्राफ, बवानीखेड़ा के विधायक श्री बिशम्भर बाल्मिकी, बाढड़ा के विधायक श्री सुखविंद्र सिंह, पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन श्री ऋषिप्रकाश शर्मा तथा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जे.पी. दलाल सहित अनेक अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

HSRLM
Haryana State Rural Livelihoods Mission
संकल्प से सिद्धि
हरियाणा स्वर्ण